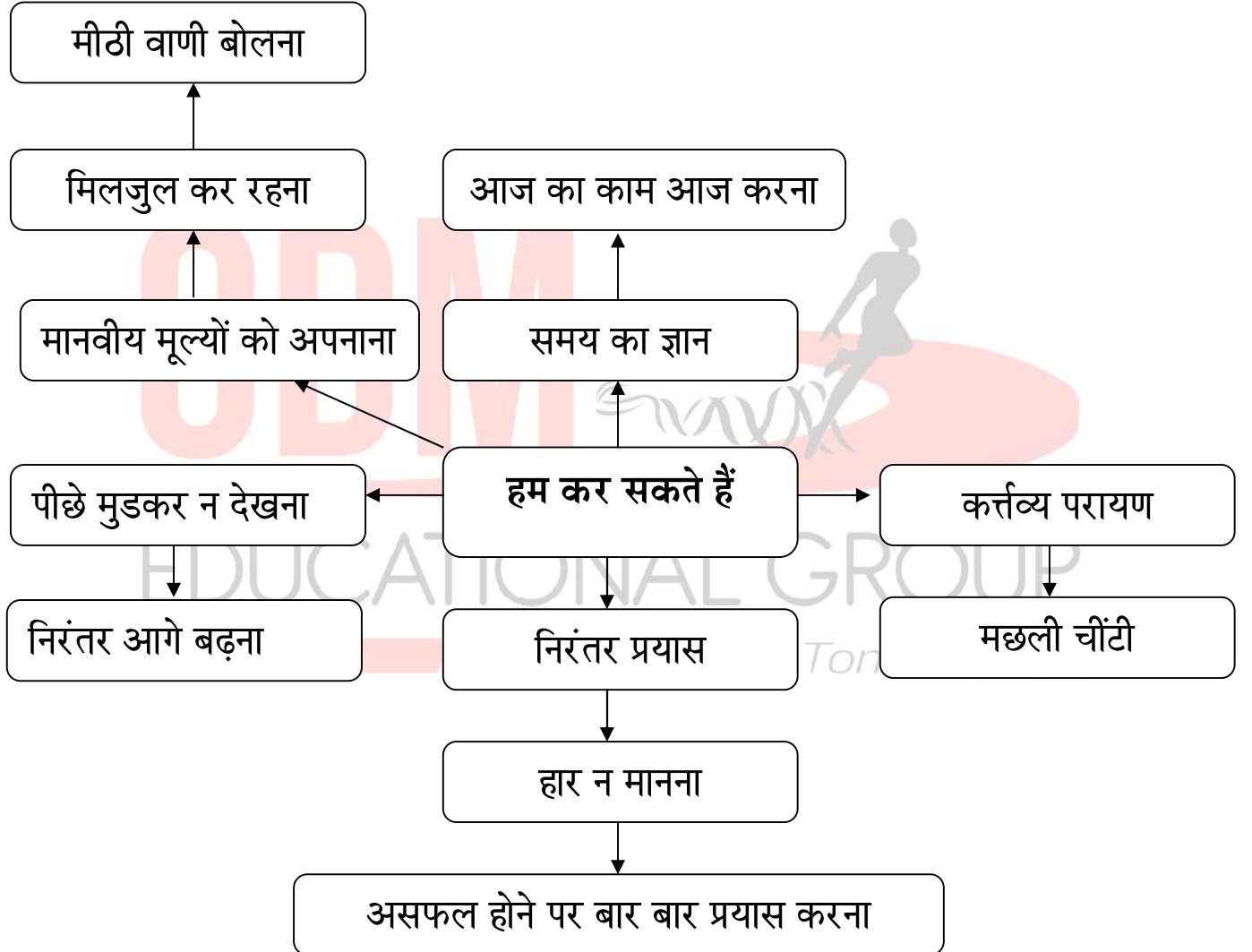


Chapter- 1

हम कर सकते हैं

STUDY NOTES

MIND MAP

पाठ प्रवेश

कवयित्री श्रीमती सुनीता यादव ने अपनी कविता के माध्यम से बच्चों के मनोबल को बढ़ाते हुए निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी है। बच्चों को कभी भी किसी काम से न डरने के लिए और हर परिस्थिति में सुदृढ़ बने रहने तथा उसका सामना करने के लिए प्रेरित किया है। मानवी मूल्यों को अपना कर ही बच्चे अपने जीवन में हर कार्य और हर परिस्थिति का सामना के लिए तैयार रहेंगे। किसी कार्य को करने के लिए निरंतर प्रयत्न शील रहेंगे।

पाठ का सार

हम परिश्रम से अपने स्वप्न साकार कर सकते हैं। यह वाक्य बिलकुल सत्य है। परिश्रम कभी भी व्यर्थ नहीं जाती एक ना एक दिन काम आती है और उसका फल जरूर मिलता है। यदि हमें जीवन में कोई भी लक्ष्य हासिल करना हो तो हमें बहुत परिश्रम करनी पड़ेगी तथा सब का साथ भी आवश्यक रूप से लेना पड़ेगा। सब के साथ मिल कर परिश्रम करने से कठिन से कठिन काम भी सुगम हो जाया करते हैं।

किसी ने सत्य ही कहा जीवन में कुछ भी हासिल करने के लिए का मूल मंत्र परिश्रम है। परिश्रम करने से हम जीवन में सब कुछ पा सकते हैं। हमारे द्वारा किया गया परिश्रम कभी भी व्यर्थ नहीं जाता। हमें परिश्रम का फल हमेशा मिलता है। जीवन संघर्ष का ही दूसरा नाम है। इस सृष्टि में छोटे-से-छोटे प्राणी से लेकर बड़े-से-बड़े प्राणी तक, सभी किसी-न-किसी रूप में संघर्ष करना पड़ता है। इस जीवन के संघर्ष पर जीत हासिल परिश्रम के द्वारा ही कर सकते हैं। सफलता व कामयाबी की चाहत बिना परिश्रम के नहीं पूरी कर सकते। हमें परिश्रम करने से कभी नहीं डरना चाहिए और जीवन में सफल होने के लिए परिश्रम करते रहना चाहिए।

परिश्रम का मतलब हमें छोटे-छोटे जीव जन्तुओं से सीखना चाहिए।

क्योंकि एक छोटी सी चींटी अपने शक्ति से अधिक ढोकर चलती है और मछली दिनभर दौड़ लगाती है। वह कब सोती है मालूम नहीं। जीवन में सफलता पाने के लिए समय के साथ चलना चाहिए। आज का काम आज करना चाहिए उसे कल पर नहीं छोड़ना चाहिए। सभी के साथ हिलमिल कर रहना चाहिए और एक-दूसरे से मीठा बोलना चाहिए। अतः रोज सुबह जल्दी उठना चाहिए तथा सुबह जल्दी उठने के लिए रात को जल्दी सोना भी जरूरी है। इस प्रकार हमें हर वक्त “हम कर सकते हैं” की भावना मन में जागृत करना चाहिए।